हरिभूमि
# रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार 9 फरवरी 2026

तापमान
अधिकतम 26 .0 डिग्री
न्यूनतम 5 .5 डिग्री

11 वामन अवतार की महिमा का गुणगान ...

12 आरएसएस शताब्दी वर्ष पर हिंदू सम्मेलन में दिया धर्म ...

## खबर संक्षेप

### महिला को 1.603 किलो चरस के साथ पकड़ा

**रोहतक।** पुलिस की स्पेशल डिटेक्टिव स्टाफ की टीम ने महिला को नशीले पदार्थ सहित काबू किया। महिला से 1 किलो 603 ग्राम चरस बरामद हुआ है। महिला आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई की गई है। सूचना मिली कि लाइनपार बहादुरगढ़ निवासी महिला नशीला पदार्थ बेचने का काम करती है जो नशीला पदार्थ बेचने की फिराक में खरावड़ पुल नजदीक हनुमान मंदिर के पास खड़ी है। एएसआई कृष्ण के नेतृत्व में एसडीयू टीम ने सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुये महिला को शक के आधार पर काबू किया गया। महिला की पहचान सीमा निवासी किरायेदार बहादुरगढ के रुप में हुई। तलाशी पर महिला के पास से 1.603 किलो चरस बरामद हुआ।

### लापता किशोर का सुराग लगाने की मांग

**कलानौर।** थाना क्षेत्र के गांव सैंपल से 20 दिन से लापता 16 वर्षीय किशोर का कोई सुराग नहीं मिला है। हर संभव स्थान पर तलाश करने के बाद भी उसके परिजनों को कोई सफलता नहीं मिली। परिवार ने पुलिस प्रशासन से सहायता की अपील की है। लापता वर्षीय किशोर सूरज के पिता उदय ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका बेटा गांव के सरकारी स्कूल में दसवीं में पढ़ता है और वह 18 जनवरी को बिना बताए घर से चला गया। उन्होंने सूरज को हर संभव स्थान पर तलाश किया परंतु कोई सफलता नहीं मिली।

### स्वरोजगार के लिए 3 लाख तक ले सकते हैं लोन

**रोहतक।** उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं को सशक्त, स्वावलंबी व आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है। हरियाणा में क्रियान्वित की जा रही विधवा अनुदान योजना के तहत राज्य की विधवा महिलाओं को बैंकों के माध्यम से स्वरोजगार के लिए 3 लाख रुपये तक ऋण उपलब्ध करवाया जा रहा है। सचिन गुप्ता ने बताया कि इस योजना का लाभ 3 लाख रुपये तक वार्षिक आय वाली विधवा महिलाओं को प्रदान किया जाता है।

### मानसिक स्वास्थ्य के लिए मेंटल हेल्थ हेल्पलाइन शुरू

**रोहतक।** उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा नागरिकों के मानसिक स्वास्थ्य को दुरुस्त रखने के लिए नागरिक अस्पताल स्थित मनोरोग एवं नशा मुक्ति केंद्र में मेंटल हेल्थ हेल्पलाइन संचालित की जा रही है। इस हेल्पलाइन नंबर 8295474838 पर सोमवार से शनिवार तक सुबह 9 से शाम 3 बजे तक संपर्क किया जा सकता है। नागरिक मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें, क्योंकि स्वस्थ मन ही स्वस्थ जीवन का आधार है। परामर्श के लिए 14416 टेली मानस हेल्पलाइन 24 घंटे संचालित की जा रही है।

नगर निगम के शहर को चकाचक करने के दावे खोखले, सड़कों पर फैला गंदा पानी

**सुभाष नगर से कुताना बस्ती तक हाहाकार**

# सुपर सकर मशीन की सांसें थमीं कई मोहल्लों में भरा सीवर का पानी

**कुताना बस्ती व पाडा मोहल्ला में घरों के बाहर खड़ा एक फीट तक गंदा पानी**

**सुभाष नगर और प्रेम नगर के लोग भी परेशान, हर तरफ उठ रही बदबू**

**बार-बार शिकायतों के बावजूद नहीं पहुंच रही राहत, बढ़ा रोष**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

शहर के कई रिहायशी इलाकों में सीवर व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। सीवर की सफाई के लिए सबसे अहम मानी जाने वाली सुपर सकर मशीन के खराब हो जाने से हालात और भी बदतर हो गए हैं। सुभाष नगर, कुताना बस्ती, पाडा मोहल्ला और प्रेम नगर के लोग पिछले कई दिनों से सीवर ओवरफ्लो की समस्या से जूझ रहे हैं। हालात यह हैं कि कुताना बस्ती में घरों के बाहर एक फीट तक गंदा सीवरेज का पानी भरा हुआ है, जिससे लोगों का घर से बाहर निकलना तक मुश्किल हो गया है।स्थानीय लोगों का कहना है कि सीवर जाम होने के कारण गंदा पानी सड़कों से होकर घरों के आगे जमा हो रहा है। कुताना बस्ती में कई गलियों की स्थिति इतनी खराब है कि लोगों को घरों की दीवारों के सहारे या ऊंची जगह तलाश कर निकलना पड़ता है। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं के लिए यह स्थिति और भी खतरनाक बनी हुई है। लगातार बदबू और गंदगी के कारण लोगों का जीना दूभर हो चुका है। निवासियों का आरोप है कि इस समस्या को लेकर जनस्वास्थ्य विभाग को कई बार शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन हर बार उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिला। कभी मशीन खराब होने का हवाला दिया गया तो कभी कर्मचारियों की कमी बताकर मामला टाल दिया गया। लोगों का कहना है कि विभाग की मशीनें कागजों में तो मौजूद हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर वे धूल फांकती नजर आ रही हैं।

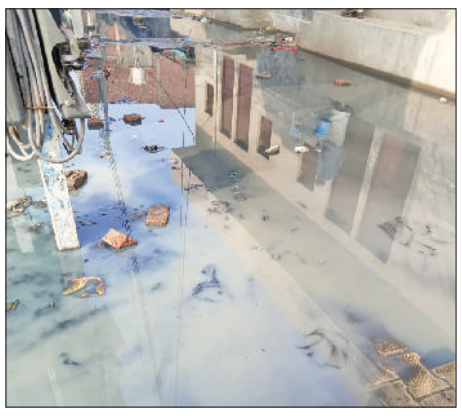

रोहतक। कुताना बस्ती व पाडा मोहल्ला में सड़क पर फैला गंदा पानी । फोटो : हरिभूमि

### अधिकारियों पर लगाया लापरवाही का आरोप

स्थानीय निवासियों ने विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि अधिकारी मौके पर आकर हालात देखने तक नहीं पहुंचे। मजबूरन लोग सोशल मीडिया और जनप्रतिनिधियों के माध्यम से अपनी आवाज उठा रहे हैं। लोगों की मांग है कि सुपर सकर मशीन को तुरंत ठीक कराया जाए या वैकल्पिक मशीनों की व्यवस्था की जाए, ताकि सीवर की सफाई हो सके।

सड़क पर खड़ी सुपर सकर मशीनें

### सीवर ओवरफ्लो व गंदे पानी से जीना दुश्वार

सुभाष नगर और पाडा मोहल्ला के निवासियों ने बताया कि सीवर ओवरफ्लो के कारण गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है, जिससे मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। बदबू के कारण घरों में रहना मुश्किल हो गया है। कई लोगों ने आशंका जताई है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो डायरिया, त्वचा रोग और अन्य संक्रामक बीमारियां फैल सकती हैं। प्रेम नगर के लोगों का कहना है कि बरसात न होने के बावजूद सीवर का पानी सड़कों पर भरा है। इसका मतलब साफ है कि सीवरेज लाइन पूरी तरह चोक हो चुकी है। सुपर सकर मशीन के ठप होने से सफाई कार्य प्रभावित है, जबकि यह मशीन गहरी और बड़ी लाइनों की सफाई के लिए सबसे जरूरी मानी जाती है।

### कई हिस्सों में पहले से ही लाइन हो चुकी जर्जर

लोगों का कहना है कि शहर के कई हिस्सों में सीवर व्यवस्था पहले से ही जर्जर हालत में है। नियमित सफाई और रखरखाव न होने के कारण बार-बार यह समस्या सामने आती है। यदि समय रहते स्थायी समाधान नहीं किया गया, तो हालात और गंभीर हो सकते हैं। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो वे विभाग के खिलाफ प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। उनका कहना है कि कागजी दावों के बजाय अब जमीनी स्तर पर काम की जरूरत है, ताकि शहरवासियों को इस नारकीय स्थिति से राहत मिल सके।

### जल्द ही लाइनें बदली जाएंगी

बार-बार सफाई की जाती है, जल्द ही लाइनें भी बदली जाएगी। जहां समस्या होती है हमारी टीम वहां पर जाकर काम करती है। लोगों की समस्या मिलती है तो उनका तुरंत समाधान किया जाता है। आमजन को परेशान नहीं होने दिया जाता। हमारी मशीनें भी ठीक से काम कर रही है। रोजाना मशीने कहीं न कहीं की समस्या का समाधान करती है। अगर फिर भी कहीं दिक्कत है तो उसका समाधान करवा दिया जाएगा।
**-शिवराज सिंह, अधीक्षण अभियंता, जनस्वास्थ्य व अभियांत्रिकी विभाग**

आदेश के बावजूद जमीन बेचने का मामला

# कोर्ट के आदेश की अवहेलना पर 8 को एक माह की कैद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

सिविल जज अमनदीप कुमार की अदालत ने कोर्ट की अवमानना के मामले में सुनवाई करते हुए आठ आरोपियों को अदालत की अवमानना का दोषी पाते हुए एक माह कैद की सजा सुनाई है। हालांकि अदालत ने इस सजा को दोषियों की अपील दायर करने की अवधि तक स्थगित रखा है तथा वादी को एक माह बाद इस लागू कराने की स्वतंत्रता दी है। मामला जमीन से जुड़ा हुआ है। शिकायतकर्ता रणबीर सिंह की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता आर के सपड़ा ने पैरवी की। शिकायकर्ता रणबीर ने अदालत में केस फाइल किया। जिसमें बताया कि उनकी भैय्यापुर लाढ़ौत एरिया में उनकी साझे की पारिवारिक खेतीबाड़ी की जमीन है। जिसमें वह और राजेंद्र सहित आठ अन्य लोग हिस्सेदार हैं और इस जमीन का कोई बटवारा नहीं हुआ है लेकिन प्रतिवादी पक्ष वह अपने हिस्से से ज्यादा तथा खास किला की जमीन को बेचना चाहते हैं।

वर्ष 2019 में कोर्ट ने इस बारे स्थगन आदेश जारी कर दिया था। इसके बावजूद आठ लोगों ने जमीन विशिष्ट किला नम्बर के मुताबिक बेच दी जो कि उस स्थगन आदेश का उल्लंघन था। इसके बाद अदालत में अवमानना की शिकायत दी गई। अदालत ने आठ लोगों को कोर्ट की अवमानना का दोषी पाया, जिन्हें एक माह कैद की सजा सुनाई गई है।

सांपला: गिझी फ्लाईओवर के पास हादसा

# तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को रौंदा, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सांपला

ब्लॉक में गांव गिझी के फ्लाईओवर के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी, जिसकी वजह से चरखी दादरी निवासी एक युवक की मौत हो गई। सांपला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए शव पीजीआई भिजवा दिया है। मृतक की पहचान गांव लांबा जिला चरखी दादरी निवासी विकास के रूप में हुई, जो खरखोदा की मारुती सुजुकी कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था। विकास अपने दोस्त जतिन के साथ साप्ताहिक अवकाश पर घर गया था और रात को दोनों दोस्त अपनी-अपनी बाइक लेकर वापस कंपनी में जा रहे थे। विकास बाइक पर आगे चल रहा था, जबकि जतिन उसके पीछे बाइक पर था। सांपला बाइपास पर गिझी गांव के फ्लाईओवर से उतरते ही पीछे से एक तेज रफ्तार कार आई, जो विकास की बाइक को टक्कर मारते हुए आगे निकल गई। विकास सर्विस रोड पर गिर गया। कार की टक्कर लगने के कारण विकास को गहरी चोट लगी, जिसके कारण उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस कार चालक के बारे में जानकारी एकत्र कर रही है।

## एनसीसी सर्टिफिकेट : 361 कैडेट व कन्या वाहिनी के 254 ने दी परीक्षा

**रोहतक।** एनसीसी ग्रुप हेडक्वार्टर रोहतक के द्वारा बी सर्टिफिकेट की परीक्षा आयोजित की गई। रोहतक ग्रुप के अंतर्गत आने वाली 2 स्थानीय बटालियन 1 हरियाणा बटालियन एनसीसी रोहतक एवं 2 हरियाणा गर्ल्स बटालियन एनसीसी रोहतक के कैडेटों की परीक्षा एक निजी स्कूल में आयोजित की गई थी। इस परीक्षा में 1 हरियाणा बटालियन के 361 कैडेट एवं 2 हरियाणा कन्या वाहिनी के 254 कैडेटों ने भाग लिया ।

## सावन हत्याकांड का तीसरा आरोपी गिरफ्तार, दो पहले जा चुके जेल

रोहतक। आरोपित पुलिस की गिरफ्त में ।

**रोहतक।** पाड़ा मोहल्ला निवासी युवक सावन की हत्या करने के मामले में पुलिस ने तीसरे आरोपियों को काबू किया है। इस मामले में पुलिस दो आरोपियों को पहले ही पकड़ चुकी है। पुलिस मामले में पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर रही है। युवक की मामूली विवाद के बाद चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने आरोपी आशु उर्फ शिवा, सुरेंद्र व नवीन निवासी पाड़ा मोहल्ला को गिरफ्तार किया है। आरोपियों का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। जिसमें आशु के खिलाफ 6, नवीन के खिलाफ 2 व सुरेंद्र के खिलाफ एक मामला दर्ज है।

### 24 जनवरी को हुई थी वारदात

पाड़ा मोहल्ला में 24 जनवरी को कुछ लोगों के बीच आपस में झगड़ा हो गया, जिसमें एक युवक की चाकू मारकर हत्या की गई थी। मृतक की पहचान सावन के रूप में हुई थी। पुलिस मामले में आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था और पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

### मंदिर के अंदर वारदात को अंजाम

आरोपियों से बचते हुए सावन पास के एक मंदिर में घुस गया था, जिसमें आरोपी आशु, शिवम, रविंद्र, सुरेंद्र, बिजेंद्र व अन्य युवकों ने घुसकर सावन पर चाकू से वार किया। घायल होकर सावन नीचे गिर गया, जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

# सुपर-100 की परीक्षा 11 से, जिले में 7 केंद्र बनाए

**परीक्षा केंद्र पर रिपोर्टिंग समय सुबह 11:30 बजे निर्धारित**

**रोहतक।** विद्यालय शिक्षा निदेशालय की ओर से सुपर-100 प्रथम चरण की परीक्षा के लिए शेड्यूल जारी कर दिया है। विभाग की ओर से प्रदेश के 178 परीक्षा केंद्रों पर 11 फरवरी को परीक्षा आयोजित की जाएगी। विभाग ने 6 फरवरी से प्रवेश पत्र डाउनलोड करने के लिए लिंक एक्टिव कर दिया है। जिला विज्ञान विशेष समीर मान ने बताया कि जिले के अलग-अलग राजकीय विद्यालय में बनाएं 7 केंद्रों पर सुपर-100 प्रथम चरण की परीक्षा होगी। जिले में कलानौर राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, लाखन माजरा राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, महम पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रोहतक राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हिसार रोड, रोहतक राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भिवानी रोड, सांपला राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय व सांपला पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। परीक्षा केंद्र पर रिपोर्टिंग समय सुबह 11:30 बजे निर्धारित किया गया है जबकि परीक्षा का समय दोपहर 12:30 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक 2 घंटे की अवधि के लिए तय किया गया है।

# सरकार के उपेक्षित रवैये से पेंशनर्स नाराज, बड़े आंदोलन की चेतावनी

जिला चेयरमैन देबी सिंह देसवाल की अध्यक्षता में बैठक कर जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

हरियाणा सरकार द्वारा पेंशनर्स की जायज मांगों की लगातार अनदेखी किए जाने से पेंशनर्स में गहरा रोष व्याप्त है। यदि सरकार ने शीघ्र सकारात्मक कदम नहीं उठाए, तो पेंशनर्स समाज इस आयु में भी बड़े आंदोलन के लिए मजबूर होगा। यह चेतावनी हरियाणा स्टेट पेंशनर्स समाज, जिला रोहतक की मासिक बैठक में दी गई। बैठक का आयोजन स्थानीय मानसरोवर पार्क स्थित सीनियर सिटिजन क्लब में किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला चेयरमैन देबी सिंह देसवाल ने की, जबकि मंच संचालन शमशेर सिवाच द्वारा किया गया। बैठक में राज्य कार्यकारिणी की ओर से राज्य चेयरमैन मेहर सिंह नैन, राज्य प्रधान वीरेंद्र शर्मा, राज्य महासचिव रोशनी देवी हुड्डा तथा राज्य वित्त सचिव तुही राम शर्मा उपस्थित रहे।

### प्रमुख मांगों पर की चर्चा

बैठक में पेंशनर्स की प्रमुख मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। इनमें 65, 70 और 75 वर्ष की आयु पर क्रमशः 5, 10 और 15 प्रतिशत पेंशन वृद्धि, सभी बीमारियों के लिए कैशलेस मेडिकल सुविधा, मेडिकल भत्ता 1000 से बढ़ाकर 5000 रुपये करने, कम्यूटेशन अवधि 15 वर्ष से घटाकर 11 वर्ष करने, कोरोना काल के 18 महीनों का महंगाई भत्ता 6 प्रतिशत ब्याज सहित देने तथा पारिवारिक पेंशनर्स को एलटीसी सुविधा देने की मांग शामिल है। राज्य महासचिव रोशनी देवी हुड्डा ने पेंशनर्स से एकजुट होकर संघर्ष करने की अपील की। वहीं वित्त सचिव तुही राम शर्मा ने संगठन का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। बैठक में ईश्वर सिंह सैनी, आनंद स्वरूप, सूरजमल शर्मा, सतीश शर्मा, राजबीर हेडमास्टर, सूबे सिंह, राजेंद्र शर्मा, राजेंद्र हुड्डा, दलजीत मालिक सहित अनेक सदस्यों ने अपने विचार रखे।

### सरकार नजरअंदाज कर रही

राज्य चेयरमैन मेहर सिंह नैन और राज्य प्रधान वीरेंद्र शर्मा ने कहा कि पेंशनर्स की मांगें कोई विशेष रियायत नहीं बल्कि उनका अधिकार हैं, लेकिन सरकार लगातार इन्हें नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने सभी सदस्यों से संगठन को मजबूत बनाए रखने और आगामी संघर्ष के लिए तैयार रहने का आह्वान किया।

### हम पीछे नहीं हटेंगे

अध्यक्षीय संबोधन में जिला चेयरमैन देबी सिंह देसवाल ने दो टूक कहा कि यदि सरकार ने मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया, तो पेंशनर्स समाज पीछे नहीं हटेगा। बैठक में बड़ी संख्या में पेंशनर्स उपस्थित रहे। अंत में देसवाल ने सभी सदस्यों और नए जुड़े सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए बैठक का समापन किया।

छऊ नृत्य, ओडिसी, संवाद सत्र और नाटक 'उम्मीद मनुष्य जिंदा है' से सजेगा दिन

# डीएलसी सुपवा में आज से रंग और संस्कृति का महाकुंभ, 'सारंग' व 'भारंगम' का आगाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) में सोमवार से चार दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव का आगाज हो रहा है। यूनिवर्सिटी में एक साथ दो बड़े आयोजन—विश्व का सबसे बड़ा थियेटर फेस्टिवल 'भारंगम' और यूनिवर्सिटी का अपना सांस्कृतिक महोत्सव 'सारंग' शुरू होने जा रहे हैं। दोनों आयोजनों को लेकर यूनिवर्सिटी परिसर पूरी तरह उत्सवी रंग में सज चुका है।'सारंग' महोत्सव का आयोजन यूनिवर्सिटी के एफटीवी डिपार्टमेंट के कोर्ट यार्ड में किया जाएगा, जहां ओपन एरिया में

कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर।

विशेष स्टेज तैयार किया गया है। रोजाना सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक संगीत, नृत्य, संवाद और प्रदर्शनी जैसे कार्यक्रम होंगे। वहीं शाम 6 बजे से 8 बजे तक 'भारंगम' के तहत नाट्य प्रस्तुतियां होंगी। 'सारंग' महोत्सव के पहले दिन दर्शकों को प्रसिद्ध छऊ नृत्य और ओडिसी नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति देखने को मिलेगी, जिसे नृत्यबोध डांस कंपनी प्रस्तुत करेगी। इसके साथ ही यूनिवर्सिटी के छात्रों की संगीत व रंग-संगीत प्रस्तुतियां भी होंगी। दोपहर में विशिष्ट अतिथियों के साथ संवाद सत्र का आयोजन किया जाएगा, जिसमें छात्र और दर्शक सीधे संवाद कर सकेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत सोमवार सुबह 11 बजे उद्घाटन समारोह से होगी। 11 से 12:30 बजे तक उद्घाटन कार्यक्रम, 12:30 से 1:30 बजे तक 'वंदे मातरम्' पर कथक नृत्य और रंग-संगीत की प्रस्तुति होगी।

### अतिथि पहुंचने लगे

यूनिवर्सिटी के कुलगुरु डॉ. अमित आर्य ने बताया कि सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। लाइट, साउंड, सुरक्षा, पार्किंग, मीडिया गैलरी और वीआईपी लाउंज की व्यवस्था की गई है। कलाकारों और अतिथियों के ठहरने व खान-पान की भी उचित व्यवस्था की गई है। रविवार को वरिष्ठ रंगकर्मी विद्यानिधि वानरसे, अभिनेता यशपाल शर्मा और पहलवान संग्राम सिंह यूनिवर्सिटी पहुंच चुके हैं।

### होगा नाटक मंचन

सोमवार शाम को 'भारंगम' के तहत नाटक 'उम्मीद – मनुष्य जिंदा है' का मंचन किया जाएगा। यह नाटक 1947 के विभाजन और वर्तमान समय को जोड़ते हुए मानवीय संवेदनाओं, पीड़ा और उम्मीद की कहानी कहता है। नाटक का लेखन डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने किया है और निर्देशन लक्ष्मी रावत ने किया है। प्रस्तुति प्रज्ञा आर्ट्स थियेटर ग्रुप द्वारा दी जाएगी। नाटक में प्रवेश निशुल्क रहेगा, लेकिन दर्शकों को शाम 5:45 बजे तक ऑडिटोरियम में प्रवेश करना अनिवार्य होगा।

प्रतियोगिता 4 से 8 फरवरी तक क्रोएशिया में आयोजित हुई

# वर्ल्ड रैंकिंग सीरीज में पहलवान मनीषा ने स्वर्ण दीक्षा ने रजत और निशा ने जीता कांस्य पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

वर्ल्ड रैंकिंग सीरीज कुश्ती में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए रोहतक की पहलवान बेटियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो पदक जीते।इसमें 57 किलोग्राम भारवर्ग में मनीषा भनवाला ने स्वर्ण पदक जीता। वहीं, 72 किलोग्राम भारवर्ग में दीक्षा मलिक ने रजत पदक जीता। यह प्रतियोगिता 4 से 8 फरवरी तक क्रोएशिया में आयोजित की गई। इसके अलावा 68 किग्रा में निशा ने कांस्य पदक जीता। तीनों खिलाड़ियों की जीत से उनके परिवार में खुशी का माहौल है। कोच मनदीप ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी इन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करके देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि मनीषा ने पहले मैच में स्वीडन की टिंड्रा डालम्येर को 9-4 से हराया। क्वार्टरफाइनल में

मनीषा दीक्षा निशा

कजाकिस्तान की पहलवान निलुफर को 14-4 से हराया। सेमीफाइनल में जर्मनी की एमोरी एंड्रिच को 11-0 से करारी शिकस्त दी। फाइनल में जापान की हीमेका तोकुहारा को 3-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। दीक्षा मलिकने क्वार्टर फाइनल मैच में क्रोएशिया की वेरोनिका विल्क को 4-0 से हराया। सेमीफाइनल में क्रिस्टीना को 4-2 से हराया। फाइनल मैच में तुर्की की बुसे तोसुन चावुसोग्लू से हार गई जिसके कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा। निशा ने पहले मैच में अजरबैजान की बिरगुल सोल्तनोवा को हराया। निशा ने रेपचेज के मैच में जर्मनी की लॉरा कोहलर को हराया। कांस्य पदक वाले मैच में अमेरिका की ब्लेड्स को हराया।

### मनीषा भनवाला की उपलब्धियां

2025 जुलाई में हुई चौथी रैंकिंग सीरीज में कांस्य पदक जीता। 2025 मार्च में हुई एशियन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। 2016 साउथ एशियन में स्वर्ण पदक, 2017 कॉमनवेल्थ गेम में कांस्य, 2022 वर्ल्ड रैंकिंग में स्वर्ण और 2023 वर्ल्ड रैंकिंग में कांस्य पदक जीता। 2025 में एशियन चैंपियनशिप में चैंपियन बनी हैं। 7 साल बाद कोई भारत की लड़की चैंपियन बनी है।

### दीक्षा मलिक की उपलब्धियां

2022 में जूनियर नेशनल प्रतियोगिता में रजत पदक जीता। 2023 में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। 2021 में खेलो इंडिया में कांस्य पदक जीता। 2023 में खेलो इंडिया में कांस्य पदक व सीनियर नेशनल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। 2025 में ऑल इंडिया में स्वर्ण पदक जीता।

*हारना तब आवश्यक हो जाता है, जब लड़ाई अपनों से हो, और जीतना तब आवश्यक हो जाता है, जब लड़ाई अपने आप से हो।*
***-हरिवंश राय बच्चन***

*वह मुझे मनाने के लिए, पकड़ने के लिए मेरे पीछे-पीछे दौड़-भाग करती रही और मैं झूठमूठ की नाराज़गी का नाटक करते हुए पीछे की तरफ हटे जा रही थी। घर की औरतों का हंस-हंस के बुरा हाल था। ऐसा मेरु की बहू के साथ पहली बार नहीं हुआ था। जब भी वह हमारे घर आती या मैं उनके घर जाती, हंसी-ठट्ठों का टॉनिक पीकर ही आती थी।*

कहानी
संगीता बैनीवाल

# मेरु की बहू

घर के बाहरी हिस्से में एक बैठक है। बैठक का घर के बाहरवाई हिस्से में होने का कारण भी मैं आज तुम्हें जरूर बताऊंगी। क्योंकि आजकल बैठक घर के अंदर होती हैं पर मैं जिस बैठक की बात कर रही हूं, वो उस जमाने की भी याद दिलाती है, जब बैठक घर के बाहर होती थी और केवल पुरुषों के बैठने के काम आती थी। उस जमाने में बैठक घर के बाहर ही होती थी बताना इसलिए भी जरूरी है कि बैठक के बाहर होने के पीछे गांव की एक खास सोच थी, जिसे हम साझी सोच भी कह सकते हैं।

दरअसल, वह हर घर में लागू होती थी। बैठक तो उसका आधुनिक नाम है। यह वह बैठक है जिसमें केवल पुरुष बैठा करते थे। इस बैठक में घर की औरतें नहीं बैठती थी केवल आदमी और लड़के बैठते थे। यदि कोई मेहमान आता था तो वह बैठक में ही बैठता था। परिवार की रजामंदी पर ही वह घर के भीतर दाखिल हो सकता था। हां, अगर किसी मेहमान के साथ कोई औरत या लड़की आई है तो वह घर के अंदर आंगन में चली जाती थी, बिना रोक-टोक के। अगर किसी गरीब के घर में बैठक नहीं है तो अपने आसपास जो भी, जिस भी भाई की बैठक होती थी, अपने मेहमान को वहां बैठा दिया करते थे। इसके लिए उसे बैठक के मालिक से इजाजत लेने की आवश्यकता भी नहीं होती थी, इतना अधिकार तो आपस में समझा जाता था। अब समझ में आई बाहरवाई बैठक। यानी घर के पुरुष और बाहर के पुरुष उनके लिए होती थी यह बैठक। क्योंकि घर की बहू-बेटियों पर किसी की बुरी नजर ना पड़े इसलिए उनके लिए आंगन कोठड़ा कोठड़ी सूपा, बिसाला, दुकड़िया ये सब कमरों के नाम है इनमें कहीं भी किसी भी जगह बैठने की छूट होती थी।

अधिकतर घरों में आंगन भी दो ही होते थे, एक बाहरवाई जिसमें ये बैठक और पशुओं के रहने की जगह और उनके चारे के लिए कमरे बने होते थे। दूसरा एक भीतर आंगन जिसमें बहू बेटियां अपनी सुविधा के अनुसार रहती थी। कोई भी बड़ा-छोटा पुरुष आवाज करके ही आंगन में आता था ताकि बहू-बेटी अपने आप को संभाल ले, अपने कपड़े- वस्त्र इत्यादि ठीक-ठाक कर ले। जिन बहू को घूंघट करना होता था, वह अपना घूंघट कर ले। सभी औरतें संभल जाती तब कोई बड़ी औरत उस पुरुष को आवाज देकर अंदर बुलाती थी। तब तक पुरुष बाहर खड़ा इंतजार करता था। जब तक अंदर से आवाज ना आए, पुरुष अंदर दाखिल नहीं होता था। किसी बुजुर्ग औरत के आवाज लगाने पर कि "भाई कौन है अंदर आ जाओ।" तब पुरुष अंदर दाखिल होता था। यह सब बिलकुल सहज सा ही लगता था। इतना औपचारिक भी नहीं लगता था कि उस जमाने में जो आज सुनने में लग रहा है। कुटुंब का भी बड़े ओहदे का पुरुष आंगन के दरवाजे के पास पहुंच कर पहले खांसने की आवाज करता, जिसे खंगारा करना कहते थे, या किसी बच्चे का नाम जानता हो तो उस बच्चे के नाम से आवाज लगाता। जैसे 'रामसिंह!' आवाज लगाने के बाद इंतजार करता, यदि भीतर से कोई बुलावा आया है, उसकी पहचान हो गयी, तभी कोई बड़ी औरत भीतर आने के लिए कहती थी। इसके पीछे कारण यह भी था कि उस समय संयुक्त परिवार होते थे और संयुक्त परिवार में मनुष्य भी ज्यादा होते थे। उन पुरुषों का कोई गलत सोच का यार-दोस्त भी हो सकता था। इसलिए हर एक के लिए भीतर वाले आंगन में एंट्री नहीं थी, लेकिन इस व्यवस्था का एक विपरीत पक्ष भी था। अब जब कुछ सीधा होता है तो बैलेंस करने के लिए कुछ उल्टा भी जरूरी है। उल्टी बात यह थी कि बहू बहन-बेटियां बैठक में नहीं आ सकती थी, उन्हें इजाजत नहीं थी। वो बैठक में एक-दो शर्तों पर ही एंट्री मार सकती थी। एक तो सुबह के समय झाड़ लगाने के लिए, दूसरा जब बैठक में कोई पुरुष ना हो। दूसरी एंट्री दोपहर में कभी-कभी मिलती थी क्योंकि दोपहर में अधिकतर पुरुष खेतों में होते थे। जहां जाने पर रोक होती है, वहां जाने का उतना ही अधिक मन करता है।

हां, तो यह मेरे बचपन की वही बैठक है। आज मैं ससुराल से मायके में अपने घर आई हूं। इस समय शाम, गोधूलि वेला का वक्त है। सोचा कि बैठक में गेड़ा मार के आती हूं। यह गेड़ा आजकल वाले गेड़ा से अलग था। उस जमाने का गेड़ा भी बताऊंगी, कभी फुर्सत में। हां, तो मैं बैठक में आ गई हूं। पिता जी, चाचा-ताऊ, भाई उनकी अनुपस्थिति में भी उनके होने का अहसास लेने के लिए। मेरे साथ मेरी मां भी है। बैठक की दीवार पर पिताजी की फोटो टंगी हुई है। फोटो बहुत पुरानी है। बहुत पहले बनवाई हुई। इस फोटो में पिताजी जवान लगते हैं। 20-25 साल पुरानी तो जरूर होगी यह फोटो। इस फोटो पर नजर पड़ी और नजर पढ़ते ही मुझे फोटो से घूंघट सीन ताजा हो गया। सीन ताजा होते ही फिल्म की नायिका मेरु चौकीदार की पत्नी भुज्जी भी यादों में यूं आ टपक पड़ी, जैसे दुछत्ती से पुराने गुड़ का टोपा टपक जाता है। अब जब टपक पड़ी तो सोचा खैर-खबर भी ले ही लूँ।

'माँ !'

'हूँ' मां ने जवाब दिया।

'मेरु चौकीदार की बहू ठीक है?' मैंने पूछा।

'ओह! क्या बताऊं बेटी! वो तो होली के आसपास ही राम को प्यारी हो गई बेचारी।' मां का अफ़सोस भरा जवाब।

'अच्छा! ओह हो...! सच में? यूं कैसे?'

'हां बेटी...! उसको तो इतनी अच्छी तरह उठा के ले ग्या राम। सुबह की चाय पी के बैठी ही थी और बैठी-बैठी ही लुढ़क गई।'

मां उसकी यादों में पहुंच कर बोले जा रही थी।

'मेरु ने बहू-बेटों को आवाज़ लगाई। उन्होंने आकर देखा-संभाला, नब्ज देखी तो पता चला कि वह तो राम के घर पहुंच भी गई।'

मां के द्वारा बताने के लहजे में उसके जाने के दुख के साथ-साथ बिना तकलीफ ठीक-ठाक प्राण देने का सुकून ज्यादा झलक रहा था।

'मेरु की बहू भुज्जी कितनी सीधी थी ना।' अपने मन ही मन कहा मैंने। बचपन में उन्हें बुद्धू बनाकर घर की औरतों का जो मनोरंजन किया करती थी, उसके आगे तो आज की सारी कॉमेडी पानी भरती हैं। वो मेरे मजाक का बुरा भी नहीं मानती थीं। अब बड़ी होने पर समझ में आया कि अनेक बार तो वो जान-बूझकर मेरी बातों पर बुद्धू बनने का नाटक करती थी। हां, उसके साथ छेड़खानियों के बदले में मां की डांट-फटकार, सोटा, चिमटा, फूंकनी की मार तो सहन करनी पड़ती थी। मां कभी नहीं चाहती थी कि मैं उसका मजाक बनाऊं। हंसना तो दूर, उल्टा उनका बचाव ही करती थी। करें भी क्यों न, वह और मां हमउम्र थी। इकट्ठी ही शादी होकर आई थी दोनों। मेरु चौकीदार मां को काकी कहकर बुलाया करता था। भुज्जी भी मां को 'ए री बबीता की मां' कह कर बुलाया करती थी। मुझे 'ए री ननद' कह कर बोलती थी। वैसे तो हम सभी बहन-भाई उनके बच्चों के हम उम्र थे, मगर होली पर उसको पानी में भिगोने में वैसा ही आनंद लेते थे, जैसा मेरे चाचा लोग मेरी मां और ताई-चाचियों को पानी में भिगोते थे।

एक बार की बात है, हम घर की सभी महिलाएं दोपहर में बैठक में लगे नए बिजली के पंखे की हवा ले रहीं थी। पंखा नया लगवाया था। सबसे पहले बैठक में ही लगा था। घर में अंदर अभी नहीं लगा था। उस समय पुरुष कोई था नहीं। सभी औरतें अपना काम निपटा कर बैठक में पंखे की हवा का आनंद ले रही थीं। उसी समय मेरु की बहू का आना हुआ। मैडम भुजी ने ये चमत्कार पहली बार देखा था। चलते हुए पंखे की गोल आकृति देख हैरतअंगेज थी कि ये गोल-गोल चीज अपने आप कैसे चल रही है, इसमें हवा कहां से आ रही है। मैं भी जादूगर सम्राट शंकर की फीलिंग लेकर पंखे का स्विच कभी ऑफ करती और कभी ऑन करती हुई भुज्जी की तरफ देख रही थी। उसके चेहरे पर आए अचंभित भावों को देखकर खुश हो रही थी। उसे समझाने की भी कोशिश कर रही थी कि यह चीज गोल नहीं है, स्विच ऑफ करके दिखाना चाह रही थी। इस पर वह और ज्यादा अचंभित हो गई, कहने लगी कि फिर यह गोल कैसे दिख रही थी। मेरे पिताजी साहूकार के घर पंखा झलने के लिए जाया करते थे। उस पंखे की तो लंबी झालर होती थी।

अब मैं मेरु की बहू की अचंभित बातों से बोर सी भी होने लगी थी। पंखे से नजर हटते ही मेरु की बहू की नजर पिताजी की फोटो पर पड़ी और नजर पड़ते ही वह सकपका गई। बस फिर क्या था। मुझे सुनहरी मौका मिल गया था, उसे सताने के लिए। मैंने झट सवाल किया।

'मेरु की बहू।'

'हाँ री ननद।' भुजी ने मेरी तरफ देखकर कहा।

'तुम अपने चाचा ससुर की फोटो के आगे बिना घुंघट के.....?'

मैंने बनावटी गुस्सा दिखाते हुए अपनी बात चालू रखी। 'आने दे शाम को पिताजी को.....। जरूर बताऊंगी। जरूर बताऊंगी कि तुम्हारी चौकीदारनी तो शहर की मेम बन गई है, घूंघट करना अब इसके बस का नहीं है।'

इतना सुनते ही मेरु की बहू ने झट घूंघट कर लिया पिताजी की फोटो से। और मुझसे मिन्नत करने लगी 'री ननद, हाथ जोड़ विनती करूं हूं। देखोए ये बात नंबरदार जी को नहीं बताना। मेरा भरी पंचायत में मजाक बन जाएगा और चौकीदार तो हर रोज मुझे ताने देगा, सो अलग। मैंने तो नंबरदार जी की फोटो देखी ही नहीं थी, अगर देखी होती तो क्या मैं ऐसा काम करती। री, नंद अबकी बार बचा ले।'

वह मुझे मनाने के लिए, पकड़ने के लिए मेरे पीछे-पीछे दौड़-भाग करती रही और मैं झूठमूठ की नाराज़गी का नाटक करते हुए पीछे की तरफ हटे जा रही थी। घर की औरतों का हंस-हंस के बुरा हाल था। ऐसा मेरु की बहू के साथ पहली बार नहीं हुआ था। जब भी वह हमारे घर आती या मैं उनके घर जाती, हंसी-ठट्ठों का टॉनिक पीकर ही आती थी।

आज बैठक में खड़ी, मेरे अंदर यादों के ये सब चलचित्र बारी-बारी से आते गए और जाते गए आंसुओं से धुंधला भी रहे थे। गला भर आया। अब मुझे कुछ दिखाई नहीं दिया बैठक में। आंखों से पानी बह रहा था, गला भर गया था। अकेली मेरु की बहू खड़ी थी मेरे सामने। मैं बस इतना ही कह पाई।

'कुछ साल तो और रुक जाती मेरु की बहू...! बैरन....! इतनी क्यों जल्दी मचाई जाने की?

बचपन में उन्हें बुद्धू बनाकर घर की औरतों का जो मनोरंजन किया करती थी, उसके आगे तो आज की सारी कॉमेडी पानी भरती हैं। वो मेरे मजाक का बुरा भी नहीं मानती थीं। अब बड़ी होने पर समझ में आया कि अनेक बार तो वो जान-बूझकर मेरी बातों पर बुद्धू बनने का नाटक करती थी। हां, उसके साथ छेड़खानियों के बदले में मां की डांट-फटकार, सोटा, चिमटा, फूंकनी की मार तो सहन करनी पड़ती थी। मां कभी नहीं चाहती थी कि मैं उसका मजाक बनाऊं। हंसना तो दूर, उल्टा उनका बचाव ही करती थी। करें भी क्यों न, वह और मां हमउम्र थी। इकट्ठी ही शादी होकर आई थी दोनों। मेरु चौकीदार मां को काकी कहकर बुलाया करता था। भुज्जी भी मां को 'ए री बबीता की मां' कह कर बुलाया करती थी। मुझे 'ए री ननद' कह कर बोलती थी। वैसे तो हम सभी बहन-भाई उनके बच्चों के हम उम्र थे, मगर होली पर उसको पानी में भिगोने में वैसा ही आनंद लेते थे, जैसा मेरे चाचा लोग मेरी मां और ताई-चाचियों को पानी में भिगोते थे।

---

गीत
प्रीति पाठक 'प्रीति'

## शिव आराधना

देवों के हैं देव महादेव शिव शंकर
नाम है अनेक जिसमें इक है गंगाधर
शिव अनुकम्पा से जीवन होगा बेहतर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

शिव औघड़, आशुतोष, गृहस्थ, महायोगी
त्यागी और तपस्वी हैं हमारे शिव वियोगी
शिव महिमा को बिल्कुल न समझो तुम कमतर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

शिव ज्ञान के वेद रामायण के प्रणेता
मानव के आदर्श शिव हैं रक्षक देवता
भक्तजनों की वेदना लेते शिव हैं हर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

शिव संगीत के स्वर हैं शिव स्मृति उत्सव
शिव गौरव हैं प्रेम के दुष्टों के भैरव
शिव आराधना से मिले मोक्ष का अवसर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

---

कविता
सपना

## एक पल

एक पल जो सिर्फ मेरा हो।
एक पल जिसमें ख़ुद से मिलना हो ॥
एक पल जिसमें जिम्मेदारी न हो किसी रिश्ते की।
एक पल जिसमें जवाबदेही न हो आठों पहर की ॥
एक पल जिसमें मेरे होने का एहसास हो।
एक पल जिसमें शब्दों की जरूरत न हो ॥
एक पल जो एक कप चाय में शक्कर की तरह घुल जाए।
एक पाल जो पूरे दिन का आधार बन जाए ॥
एक पल जिसमें दिन भर की थकान बातों से पिघल जाए।
एक पल जिसमें बिन सवाल हर जवाब मिल जाए ॥
एक पल जिसमें हँसते हुए डर न लगे।
एक पल जिसमें जीवन संघर्ष न लगे॥
एक पल..
सि र्फ एक पल ..जो सिर्फ मेरा हो ॥

---

कविता
मनीषा मंजरी



## प्रदर्शन का युग

प्रदर्शित पीड़ा हीं अब समझ आएगी,
निःशब्द चीखें ना किसी को लुभाएगी।

युग प्रदर्शन का, विचित्रता का पर्याय बना,
अश्लीलता, इस सभ्यता की पहचान चुराएगी।

दयनीयता अब आँखों को कहाँ रुलायेगी,
पथ की हर ठोकर, मनोरंजन का विषय कहलाएगी।

निजता - शालीनता, अदृश्यता की सार्थकता को पाएगी,
आडम्बर, मूर्छित व्यक्तित्व की चिताएं सजायेगी।

परनिंदा, दिनचर्या का हिस्सा बन जायेगी,
निर्णयात्मकता की कटार, बस स्वयं को बचाएगी।

हर क्षण की कहानियां, परदों पर छाएगी,
सहायता को बढ़ेंगे हाथ नहीं, बस टिप्पणियां लिखी जाएंगी।

इस संवेदनशून्यता की नींद, क्या कभी खुल पाएगी,
या मृत अस्तित्व के बाजार में, हर चेतना लूटी जायेगी।

---

*भतेरी, जो बचपन से साइकिल और फिर सुमेर को देखते-देखते ऑटो की तकनीक समझ चुकी थी, उसने हिम्मत जुटाई। उस रात सुनसान सड़क पर जब उसने ऑटो चलाया, तो उसे लगा जैसे उसके पंख निकल आए हों। उसका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर था।*

लघु कथा
डा. मधुकांत

# एक नई उड़ान

हरियाणा के एक छोटे से कस्बे में सूरज की पहली किरण अभी खिड़की से अंदर आई ही थी कि भतेरी के घर में चहल-पहल शुरू हो गई। सुमेर प्रतिदिन की भांति अपने पुराने ऑटो के पास पहुँचा। जैसे ही उसने ऑटो स्टार्ट करने के लिए हैंडल खींचा, भतेरी रसोई से ताज़ा बनी रोटियों का लंच बॉक्स लेकर दौड़ती हुई आई। उसने इठलाते हुए और चेहरे पर एक प्यारी सी मुस्कान के साथ सुमेर को डब्बा पकड़ाया। 'आज शाम को ज़रा घर जल्दी आ जाना,' उसने धीमे से कहा। सुमेर ने माथे पर बल देते हुए पूछा, 'क्यों भाई? आज क्या खास बात है? क्या फिर से कोई पड़ोस की पंचायत है?'

भतेरी ने बनावटी गुस्से में अपना हाथ कमर पर रखा और बोली, 'आपको तो कुछ याद रहता नहीं! आज हमारी शादी की पहली सालगिरह है। पिछले साल इसी दिन मैं इस घर में आई थी।' सुमेर का चेहरा थोड़ा उतर गया। वह दिल का बुरा नहीं था, लेकिन उसे शाम को दोस्तों के साथ बैठकर शराब पीने की लत थी। उसने ईमानदारी से कहा, 'देखो भतेरी, जल्दी आ गया तो घर में क्लेश ही होगा। तुम्हें मेरा पीना पसंद नहीं और मैं अभी इसे छोड़ नहीं सकता। फिर सालगिरह का मज़ा तो किरकिरा हो जाएगा ना?'

भतेरी ने एक गहरी साँस ली। वह सुमेर को बदलना चाहती थी, पर लड़कर नहीं, बल्कि प्यार से। उसने सुझाव दिया, 'आप आज बाहर मत रुकना। आप घर पर बैठकर ही अपना खाना-पीना करना। कम से कम मुझे आपकी सुरक्षा की चिंता तो नहीं रहेगी। सड़क पर नशे में ऑटो चलाना ठीक नहीं है।'

सुमेर की आँखें चमक उठीं। उसे लगा जैसे उसे अपनी पसंद की चीज़ के लिए लाइसेंस मिल गया हो। वह खिलखिलाकर बोला, 'अरे वाह मेरी धन्नो! आज तो मज़ा आ गया। तू तो बड़ी समझदार निकली।' सुमेर जब भी भतेरी से बहुत खुश होता या जिस दिन उसकी अच्छी कमाई होती, वह उसे प्यार से 'धन्नो' पुकारता था। भतेरी का नाम उसकी दादी ने रखा था। वह अपने माता-पिता की तीसरी बेटी थी। दादी को पोते की प्रबल चाहत थी, इसलिए जब तीसरी बार भी लड़की हुई, तो उन्होंने खीझकर उसका नाम 'भतेरी' रख दिया, जिसका अर्थ था—'अब बहुत हुई, और नहीं चाहिए।' बाद में जब घर में छोटा भाई पैदा हुआ, तो तीनों बहनों का जीवन जैसे सहायक जैसा हो गया। भतेरी ने पढ़ाई तो की, लेकिन उसका अधिकांश समय भाई के डायपर बदलने और उसे खिलाने में बीतता। स्कूल के दिनों में वह साइकिल चलाने में बहुत माहिर थी; वह लड़कों को भी पीछे छोड़ देती थी। लेकिन समाज की बेड़ियों ने उसे रसोई तक सीमित कर दिया। शादी के बाद जब वह सुमेर के घर आई, तो उसने देखा कि सुमेर के पास कमाई का साधन सिर्फ एक पुराना ऑटो है। एक रात सुमेर भारी नशे में था। उसे सवारियाँ छोड़नी थी, लेकिन उसकी आँखें मुंद रही थीं। उसने मज़ाक-मज़ाक में भतेरी को स्टेयरिंग पर बैठने को कहा।

भतेरी, जो बचपन से साइकिल और फिर सुमेर को देखते-देखते ऑटो की तकनीक समझ चुकी थी, उसने हिम्मत जुटाई। उस रात सुनसान सड़क पर जब उसने ऑटो चलाया, तो उसे लगा जैसे उसके पंख निकल आए हों। उसका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर था।

एक दोपहर सुमेर को तेज़ बुखार था। तभी पड़ोस के घर से चीखने की आवाज़ें आईं। पड़ोस की महिला को प्रसव पीड़ा हो रही थी और कोई वाहन उपलब्ध नहीं था। एम्बुलेंस आने में वक्त था। भतेरी ने बिना देर किए सुमेर के ऑटो की चाबी उठाई और उन सबको अस्पताल पहुँचाया। उस दिन कस्बे के लोगों ने उसे एक नया नाम दिया-'गुलाबो'। उसकी फुर्ती और मददगार स्वभाव ने सबका दिल जीत लिया। धीरे-धीरे गुलाबो ने तय किया कि वह घर बैठने के बजाय सुमेर का हाथ बँटाएगी। उसने अकेले ऑटो लेकर निकलना शुरू कर दिया। पहले ही दिन जब वह शाम को घर लौटी, तो उसके पल्ले में 500 रुपये बँधे थे। सुमेर हैरान था। गुलाबो की यह पहली स्वतंत्र कमाई थी। एक महिला को ऑटो चलाते देखना शहर के लिए नई बात थी। स्थानीय पत्रकारों ने गुलाबो के संघर्ष और उसकी हिम्मत की कहानी फोटो के साथ अखबार में छाप दी। शीर्षक था- 'सपनों को मिला गियरः शहर की पहली महिला ऑटो चालक।' यह खबर 'स्त्री शक्ति संगठन' तक पहुँची। संगठन की अध्यक्ष ने गुलाबो से मुलाकात की और उसकी आर्थिक स्थिति को समझा। उन्होंने बैंक से बात करके बहुत ही कम ब्याज दर पर गुलाबो को एक नया ऑटो दिलाने में मदद की। संयोग से, वह ऑटो कंपनी महिलाओं के लिए विशेष रूप से गुलाबी रंग के ऑटो बना रही थी, जिनमें सुरक्षा के लिए जीपीएस और पैनिक बटन भी थे। जब गुलाबी ऑटो शहर की सड़कों पर उतरा, तो वह आकर्षण का केंद्र बन गया। महिला यात्री, कॉलेज जाने वाली लड़कियाँ और बुजुर्ग महिलाएँ अब गुलाबो के ऑटो का इंतज़ार करने लगीं क्योंकि वे उसमें खुद को सुरक्षित महसूस करती थीं।

गुलाबो की सफलता देखकर कस्बे की अन्य पाँच महिलाएँ भी उसके पास आईं। वे भी आत्मनिर्भर बनना चाहती थीं। गुलाबो ने उन्हें न केवल ऑटो चलाना सिखाया, बल्कि उन्हें बैंक से लोन दिलाने में भी मदद की। अब शहर में 'गुलाबी ऑटो' की एक पूरी फौज थी। सुमेर अब अपने पुराने ऑटो से काम करता था और गुलाबो अपने नए गुलाबी ऑटो से। दोनों की संयुक्त आय से घर की आर्थिक स्थिति सुधर गई। फूस के छप्पर की जगह पक्का कमरा बन गया। सबसे बड़ा बदलाव सुमेर में आया। अपनी पत्नी की मेहनत और समाज में उसकी इज़्ज़त देखकर सुमेर का सिर गर्व से ऊँचा हो गया। उसे अहसास हुआ कि जिस शराब के पीछे वह अपनी कमाई लुटाता था, वह उनके सुखद भविष्य में बाधा है। अब वह शाम को बाहर नहीं रुकता था। वह घर आकर गुलाबो के साथ बैठकर दिनभर की बातें करता। गुलाबो ने उसे पूरी तरह शराब छोड़ने के लिए मजबूर नहीं किया, बल्कि प्यार से उसे 'सीमित' कर दिया। वह कहती, 'आज ज्यादा थक गए हो, तो बस थोड़ी सी घर पर ही ले लो।'

धीरे-धीरे सुमेर को अहसास हुआ कि उसे शराब से ज्यादा खुशी अपनी पत्नी के साथ हँसने-बोलने में मिलती है। भतेरी, जिसका नाम 'बहुत हुई' के नकारात्मक भाव से रखा गया था, आज पूरे शहर के लिए 'मिसाल' बन चुकी थी। उसने साबित कर दिया कि एक महिला अगर ठान ले, तो वह न केवल अपना भाग्य बदल सकती है, बल्कि अपने जीवनसाथी को भी सही राह पर ला सकती है। आज जब भी कोई गुलाबी ऑटो सड़क से गुज़रता है, तो वह केवल एक वाहन नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण की दौड़ती-भागती गौरव गाथा नज़र आता है।

---

# स्वतंत्रता संग्राम की गुमनाम वीरांगना : नीरा आर्य

पुस्तक: नीरा आर्य : अद्भुत वीरांगना
लेखक: प्रोफेसर एम एम जुनेजा
मूल्य: 200 रुपये
प्रकाशक: मॉडर्न पब्लिशर, जीरकपुर

पुस्तक समीक्षा
डॉ. विजेंद्र कुमार

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अनेक गुमनाम नायकों के अद्भुत शौर्य व बलिदान की अनेक कहानियां अभी भी आलोक की प्रतीक्षा कर रही हैं। जो समाज अपने इतिहास को याद नहीं रखता, वह धीरे-धीरे समाप्त हो जाता है। प्रोफेसर एम.एम. जुनेजा एक ऐसी मशाल हैं जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम अनमोल रत्नों को आलोकित करने के लिए निरंतर प्रज्वलमान हैं। स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों के प्रति उनके हृदय में जो सम्मान है वह उनकी लेखनी से अवतरित होता है। वे अब तक 3 दर्जन ऐतिहासिक शोध ग्रंथ समाज को विशेषकर युवा पीढ़ी को समर्पित कर चुके हैं। इन शोधग्रंथों में से 24 कृतियां स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों को समर्पित हैं। डॉ. जुनेजा द्वारा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की एक और गुमनाम वीरांगना नीरा आर्य पर यह पुस्तक उन्होंने अंडमान निकोबार के आदिवासियों को समर्पित की है। यह पुस्तक उत्तरप्रदेश के खेकड़ा गांव में एक किसान परिवार में जन्मी नीरा आर्य के स्वतंत्रता संग्राम में अद्भुत योगदान पर केंद्रित है। विद्वान लेखक ने बड़े शोध-पूर्ण ढंग से प्रतिपादित किया है कि मात्र 9 वर्ष की आयु में अनाथ हुई नीरा ने किस तरह आज़ाद हिंद फौज के माध्यम से अंग्रेजों से संघर्ष में अपना जीवन समर्पित कर दिया। तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था को रेखांकित करते हुए लेखक ने बताया कि नीरा के माता-पिता की बीमारी के दौरान गांव के साहूकार से कर्ज लेने तथा उनके माता-पिता के निधन के बाद किस तरह साहूकार द्वारा कर्ज के बदले उनकी पैतृक संपत्ति कुर्क करके उसके घर पर भी कब्जा कर लिया गया। मात्र 8-9 वर्ष की आयु में वह अबोध बालिका व उसका भाई अनाथ होकर सड़क पर आ गये थे। उस समय के दानवीर व समाजसेवी सेठ छाजूराम ने नीरा व उसके भाई को गोद ले लिया। आजादी के संघर्ष के महान नायकों पर लिखी पुस्तकों की भांति डॉक्टर जुनेजा की यह पुस्तक भी युवा पीढ़ी के लिए विशेष रूप से प्रेरणादाई है। एक और गुमनाम वीरांगना की शौर्य गाथा को प्रस्तुत करने के लिए डॉक्टर जुनेजा आभारी हैं। डॉक्टर जुनेजा की अन्य पुस्तकों की तरह ही यह पुस्तक भी संग्रहणीय है।

## खबर संक्षेप

### जीडी गोयनका सनसिटी के समारोह में प्रतिभाशाली विद्यार्थी किए सम्मानित

**रोहतक।** जीडी गोयनका सनसिटी में रविवार को विद्यालय द्वारा पैरेंट ओरिएंटेशन कार्यक्रम एवं वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण, अभिभावक तथा छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों को विद्यालय की शिक्षा प्रणाली, शैक्षणिक नीतियों, नियमों एवं पाठ्यक्रम से अवगत कराना तथा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करना रहा।

### हालसा के सदस्य सचिव ने किया डीएलएसए का दौरा

**रोहतक।** जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के कार्यालय में रविवार को हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सदस्य सचिव एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश जगदीप सिंह ने औपचारिक दौरा किया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी-सह-सचिव डॉ. तरन्नुम खान ने सदस्य सचिव का स्वागत किया। सदस्य सचिव जगदीप सिंह ने जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सभी लीगल एड डिफेंस काउंसल एवं प्राधिकरण के कर्मचारियों से मुलाकात कर उनका कुशल-क्षेम जाना तथा प्राधिकरण की कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

### व्यापारियों की सुरक्षा से समझौता बर्दाश्त नहीं सरकार को देंगे ज्ञापन

**रोहतक।** सर्राफा कारोबारी हेमंत बख्शी को विदेशी नंबर से कॉल कर गैंगस्टर के नाम पर करोड़ों रुपये की रंगदारी मांगने की घटना ने पूरे व्यापारिक जगत में भय और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है। इस घटना के विरोध में राष्ट्रीय जनउद्योग व्यापार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष गुलशन डंग ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यदि जल्द से जल्द आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन बड़े स्तर पर आंदोलन करेगा।

## सीके नायडू ट्राफी एलीट : चौधरी बंसीलाल क्रिकेट स्टेडियम लाहली में हुआ मुकाबला

# मुंबई की टीम ने हरियाणा के खिलाड़ियों को 32 रन से हराया

### पहली पारी के 9 रनों की लीड के साथ मुंबई ने दिया था 160 रन का लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सीके नायडू ट्राफी एलीट के मैच में मुंबई ने हरियाणा को 32 रन से हराया। यह मैच जिले के चौधरी बंसीलाल क्रिकेट स्टेडियम लाहली में खेला गया।

- **पहला विकेट गिरने के बाद हरियाणा की टीम ताश के पत्तों की तरह बिखर गई**

हरियाणा की ओर से पूरे मैच में आयुष शर्मा ने शानदार गेंदबाजी की, लेकिन टीम को जीता नहीं पाए। आयुष ने 10 और विवेक ने पांच विकेट लिए। पूरे मैच में मुंबई की ओर से हिमांशु ने 9 और अथर्वा ने 6 विकेट लिए। तीसरे दिन मुंबई की टीम ने दूसरी पारी में चार विकेट के नुकसान पर 46 रन से आगे खेलना शुरू किया। मनन के 77 रनों की शानदार पारी की बदौलत मुंबई की टीम दूसरी पारी में 150 रन पर ऑलआउट हो गई और हरियाणा को 160 का लक्ष्य मिला। मुंबई ने पहली पारी में 9 रन की लीड ली थी। हरियाणा की ओर से आयुष शर्मा ने पांच, आरव ने तीन और विवेक ने दो विकेट लिए। इसके जवाब में दूसरी पारी में हरियाणा की शुरूआत तो शानदार रही। अर्श रंगा और रोहन देशवाल ने पहले विकेट के लिए 75 रन जोड़े। जब दोनों बल्लेबाजी कर रहे थे उस समय लग रहा था कि हरियाणा आसानी से मैच जीत जाएगा। 75 रन पर पहला विकेट गिरने के बाद हरियाणा की टीम ताश के पत्तों की तरह बिखर गई और पूरी टीम 127 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। मुंबई ने इस मैच को 32 रनों से जीत लिया। हरियाणा की ओर से अर्श रंगा ने शानदार 48 गेंदों पर 64 रन बनाए। जिसमें 2 चौके और 7 छक्के शामिल रहे। उनके अलावा रोहन देशवाल ने 21 रन बनाए। हालांकि अन्य बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके। मुंबई की ओर से अथर्वा भोसले ने 6 विकेट लिए। इससे पहले पहली पारी में मुंबई ने 267 रन बनाए थे। मुंबई की ओर से मनन ने 104 और आयुष जेटवा ने 64 रन बनाए थे। हरियाणा की ओर से आयुष शर्मा ने पांच और विवेक कुमार ने तीन विकेट लिए थे। वहीं, पहली पारी में हरियाणा की टीम ने 258 रन बनाए। हरियाणा की ओर से सर्वेश रोहिल्ला ने 82 और रिषभ ने 71 रन बनाए। मुंबई की ओर से हिमांशु सिंह ने आठ विकेट लिए।

### बच्चों को खेलों के प्रति किया जागरूक

**रोहतक।** राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भिवानी रोड में शनिवार को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्या अरुणा नांदल द्वारा दीप प्रज्वलन और ध्वजारोहण के साथ किया गया। उन्होंने बच्चों को खेलों के प्रति जागरूक किया। खेल शिक्षक राजेश नांदल के कुशल मार्गदर्शन में सभी खेल स्पर्धाएं सफलतापूर्वक आयोजित की गईं। जिसमें शॉट पुट लंबी कूद रस्साकसी 50, व 100 मीटर की रेस आदि खेल प्रमुख रहे विद्यार्थियों ने खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया इस अवसर पर अशोक मलिक, संदीप फौगाट, पंकज, नींनू कौशिक व अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

## मैराथन में अंजली व अंकिता ने दूसरा और प्रीतम ने हासिल किया तीसरा स्थान

- **राजस्थान के अलवर में हुआ था मैराथन का आयोजन**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अंकिता | प्रीतम | अंजली | कविता

राजस्थान के अलवर में आयोजित मैराथन में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। इसमें अंजली ने 21 किलोमीटर मैराथन में दूसरा स्थान हासिल किया। अंकिता ने 10 किलोमीटर मैराथन में दूसरा स्थान हासिल किया। वही, प्रीतम ने 21 किलोमीटर मैराथन में तीसरा स्थान हासिल किया। इसके अलावा कविता ने 21 किलोमीटर मैराथन में 10वां स्थान हासिल किया। सभी खिलाड़ी एमडीयू में कोच रमेश के पास अभ्यास करती हैं। कोच रमेश ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी इन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विव का नाम रोशन किया। खेल निदेशक डॉ. शकुंतला बेनीवाल ने भी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने बताया यह न केवल मांसपेशियों को मजबूत करता है और तनाव कम करता है, बल्कि आत्मविश्वास बढ़ाकर बच्चों और वयस्कों को जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करता है। नियमित खेल मानसिक क्षमता में सुधार कर पढ़ाई और करियर में भी बेहतर प्रदर्शन में सहायक है। खेलों में भाग लेना शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक मजबूती, टीम वर्क और अनुशासन विकसित करने का एक सशक्त तरीका है।

### दिल्ली में होने वाली प्रोफेशनल बॉक्सिंग में दमखम दिखाएगा रोहतक का साहिल

**रोहित डागर ▶▶| रोहतक।** हौसले अगर बुलंद हों, तो तंगहाली भी रास्ता नहीं रोक सकती। हरियाणा के रोहतक की तंग गलियों से निकलकर एक युवा मुक्केबाज अब देश की राजधानी में अपनी ताकत का लोहा मनवाने को तैयार है। रोहतक की ग्रीन पार्क कॉलोनी के रहने वाले साहिल चौहान आगामी 22 फरवरी को दिल्ली में आयोजित होने वाली प्रोफेशनल बॉक्सिंग फाइट में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेंगे। साहिल की बॉक्सिंग की यात्रा आसान नहीं रही। उनके पिता कुलदीप एक ऑटो ड्राइवर हैं और मां सोनू एक निजी अस्पताल में नौकरी करती हैं। साहिल ने बताया कि आर्थिक तंगी ऐसी थी कि कई बार अभ्यास के लिए जाने के लिए बसके किराए तक के पैसे नहीं होते थे। मेरा पूरा ध्यान इस बात पर रहता था कि कम से कम पैसे खर्च हों, ताकि उन पैसों से मैं अच्छी डाइट ले सकूं। खेल की किट और सामान खरीदना मेरे लिए किसी चुनौती से कम नहीं था। साहिल के मुक्केबाजी करियर की शुरुआत 2015 में उनके चाचा संजू की प्रेरणा से हुई। शुरुआती दौर में पदक न जीत पाने के कारण साहिल तनाव में भी रहे, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। कोच चीनू के पास सुनारिया में कड़ा अभ्यास करने के बाद जब पदकों का सिलसिला शुरू हुआ, तो आत्मविश्वास बढ़ता गया। वर्ष 2023 साहिल ने चाचा की सलाह पर प्रोफेशनल बॉक्सिंग की दुनिया में कदम रखा।

#### साहिल की उपलब्धियां

2021 में भिवानी में आयोजित स्टेट प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता। 2021-22 में स्टेट प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता। 2019 में जिला स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। 2021 में जिला स्तरीत प्रतियोगता में स्वर्ण पदक जीता। 2019 खेल महाकुंभ में स्वर्ण पदक जीता। 2019 में स्टेट प्रतियोगित में रजत पदक जीता। 2018 में खेल महाकुंभ में भाग लिया।

### माता-पिता और बुजुर्गों के सम्मान की शपथ दिलाई

**रोहतक।** राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय की एनएसएस की चारों इकाइयों द्वारा मायना गांव में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर का विषय यूथ फॉर माई भारत एवं डिजिटल साक्षरता हैं। शिविर का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य शमशेर सिंह हुड्डा द्वारा किया गया। उन्होंने स्वयंसेविकाओं को समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। बतौर मुख्य अतिथि भारत भूषण आर्य, प्राचार्य, गवर्नमेंट कॉलेज सांपला ने शिरकत की। उन्होंने स्वयंसेविकाओं को अपने माता-पिता एवं बुजुर्गों के सम्मान की शपथ भी दिलाई। शिविर के शुभारंभ के प्रतीक स्वरूप उनके द्वारा पौधारोपण भी किया गया। प्रथम दिन स्वयंसेविकाओं का पंजीकरण किया गया तथा शिविर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. पूजा द्वारा किया गया। साय के सत्र में कार्यक्रम अधिकारी हर्ष ने स्वयंसेविकाओं को डिजिटल साक्षरता के महत्व एवं उसके व्यावहारिक उपयोगों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

### संकिमो ने अमेरिकी फ्री ट्रेड एग्रीमेंट का मुखर विरोध किया

**रोहतक।** रविवार को संयुक्त किसान मोर्चा हरियाणा की राज्य स्तरीय मीटिंग ऑनलाइन हुई। इसमें तमाम किसान संगठनों ने भारत अमेरिकी फ्री ट्रेड एग्रीमेंट का मुखर विरोध किया है। इसके खिलाफ जन अभियान करते हुए 12 फरवरी की हड़ताल को सफल बनाया जाएगा ,मोर्चा ने मीटिंग में पंजाब सरकार द्वारा पंजाब के कई जिलों में किसानों के शांतिपूर्ण आंदोलन के दौरान दमन और लाठीचार्ज,गिरफ्तारियों की निंदा की है । मोर्चा ने तय किया कि किसानों के देशव्यापी आन्दोलन की तैयारी में 24 फरवरी को संयुक्त किसान मोर्चा की राष्ट्रीय मीटिंग कुरुक्षेत्र में होगी। किसान नेता सुमित ने कहा कि यह अंतरिम समझौता का ढांचा वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के दावे का पूर्ण खंडन है कि कृषि और डेयरी क्षेत्र मुक्त व्यापार समझौतों से बाहर हैं और सरकार किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं करेगी। कपास के मामले में भारत सरकार आयात शुल्क को 11% शून्य पहले ही कर चुकी है। जिससे पिछले सीजन कपास की फसल का भाव किसानों को मिला नहीं। इसी प्रकार डेयरी उत्पाद भी पहले ही यूके, न्यूजीलैंड और यूरोपीय संघ के साथ हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौतों का हिस्सा हैं।

## गोशाला पहरावर में हुआ चाप सिंह सोमवती का सांग

**रोहतक।** अखिल भारतीय गोशाला पहरावर में वार्षिक उत्सव का शुभ आरंभ किया गया। जिसमें सांग का उद्घाटन संजय शर्मा ठेकेदार ने 121000 रुपये, सुरेंद्र गोयल मायना ने 121000 रुपये, विक्रम शर्मा बहादुरगढ़ ने 121000 रुपये, रिंकू पालीवाल ठेकेदार रोहतक ने 121000 रुपये, प्रवीण कौशिक पार्षद वार्ड 20 रोहतक ने 111111 रुपये, प्रमोद कौशिक पहरावर ने 111111 रुपये, शिवकुमार शर्मा पहरावर ने 111000 रुपये, शिवचरण व सोनू पहरावर दोनो भाइयों ने 111000 रुपये, चांद व फूलकुमार पहरावर दोनो भाईयों ने 111000 रुपये, जीयाराम शर्मा पहरावर ने 111000 रुपये गौमाता की सेवा में दान दिए। प्रधान नरेश शर्मा ने बताया कि आज गोशाला में कुल दान 1473754रुपये दान आया और 4 फरवरी 8 फरवरी तक कुल दान 5243754 रुपये आ चुका है। यह सांस्कृतिक कार्यक्रम 15 फरवरी तक चलेगा। आज विष्णुदत्त द्वारा चाप सिंह सोमवती का सांग प्रस्तुत किया गया। लोगों ने बढ़ चढ़ कर दान किया।

### जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में प्रीबोर्ड परीक्षा परिणाम पर हुई अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी

**रोहतक।** गोहाना रोड स्थित जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में 7 फरवरी को अभिभावक - शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कक्षा दसवीं और बारहवीं की दूसरे प्रीबोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया। जहां लगभग सभी विद्यार्थियों ने अपने अभिभावकों के साथ शिरकत की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर चर्चा करना और आगामी बोर्ड परीक्षा के लिए उनकी तैयारी को सुदृढ़ करना था। अध्यापकों द्वारा अभिभावकों के साथ विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम की समीक्षा की गई। विद्यार्थियों को उनकी कमियों से अवगत कराते हुए उन्हें उचित मार्गदर्शन दिया गया। छात्रों को समय प्रबंधन, आत्मविश्वास और मानसिक तनाव को कम करने के सुझाव दिए गए। साथ-साथ अभिभावकों को बच्चों की प्रगति और तैयारी के स्तर की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा के लिए एक अध्ययन योजना बनाने का परामर्श दिया गया।

### मातृ-पितृ पूजन दिवस एवं बाल संस्कार कार्यक्रम हुआ

**रोहतक।** माता धनपति देवी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा महामंडलेश्वर बाबा कर्णपुरी महाराज के सानिध्य में मातृ-पितृ पूजन दिवस एवं बाल संस्कार का आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया जिसमें मुख्य अतिथि जगमोहन मित्तल (चेयरमैन जगमोहन मोटर्स) विशिष्ट अथिति प्रोफेसर डॉ विपिन गुप्ता एवं नीना कौशिक ने भगवान गणेश के समक्ष दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

### मातुराम ब्लास्टर्स इलेवन ने 46 रनों से जीता मैच

**रोहतक।** विश्वकर्मा क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए गोयल विंटर क्रिकेट कप के मैच में मातुराम ब्लास्टर्स इलेवन ने सुगनी देवी क्रिकेट फाउंडेशन क्लब को 46 रनों से हराया। उत्तम राठी ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए 82 रन बनाए और मैन ऑफ द मैच चुने गए। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मातुराम ब्लास्टर्स इलेवन ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट खोकर 219 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। मातुराम टीम की ओर से उत्तम राठी ने 42 गेंदों पर 82 रन (8 चौके, 5 छक्के) और आशीष दुहान ने 22 गेंदों पर 52 रन रनाए। सुगनी देवी की ओर से राहुल सिंह ने 2 और पियूष नैन ने 1 विकेट लिया। 220 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी लेट सुगनी देवी क्रिकेट फाउंडेशन क्लब की टीम को राहुल सिंह ने 24 गेंदों पर 60 रनों की तूफानी पारी खेलकर उम्मीद जगाई और सागर महला ने 34 रनों का योगदान दिया, लेकिन टीम 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर 173 रन ही बना सकी। मातुराम ब्लास्टर्स की ओर से प्रीत पाल सिंह ने घातक गेंदबाजी करते हुए मात्र 2 ओवर में 11 रन देकर 3 विकेट चटकाए। आशीष दुहान ने भी 1 विकेट लेकर विपक्षी टीम पर शिकंजा कसे रखा।

### नेशनल कराटे में स्कॉलर्स रोज़री स्कूल के खिलाड़ियों ने जीते पदक

**रोहतक।** मुंबई में 20 जनवरी से 23 जनवरी तक आयोजित नेशनल कराटे चैंपियनशिप में स्कॉलर्स रोज़री सीनियर सेकेंडरी स्कूल के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर स्कूल, परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया। इस प्रतियोगिता में अर्श ने 40 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं अभिनव ने 35 किलोग्राम भार वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर बड़ी उपलब्धि हासिल की। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर स्कूल प्रबंधन, प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों ने हर्ष व्यक्त किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कोच ने बताया कि खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और नियमित अभ्यास का ही यह परिणाम है। यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

## खबर संक्षेप

### न्यू हरियाणा स्कूल में मनाया विदाई समारोह

**रोहतक।** प्रीत विहार कॉलोनी स्थित न्यू हरियाणा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थियों द्वारा कक्षा 12वीं के छात्रों के सम्मान में भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निर्देशक जे.एस बूरा, लिटिल इंटरनेशनल स्कूल के डायरेक्टर हिमांशु बूरा, निधि बूरा एवं उप प्राचार्या मंजू बूरा ने दीप प्रज्वलन करके किया। मंच संचालन 11वीं कक्षा की छात्रा मीनू और 12वीं कक्षा की छात्रा रिया ने किया।

### नरेंद्र सैनी ने 23वीं बार किया रक्तदान

**रोहतक।** सैनी एजुकेशन सोसाइटी के कॉलेजियम सदस्य नरेंद्र सैनी ने सावन कृपाल रूहानी मिशन द्वारा रविवार को कृपाल आश्रम में आयोजित रक्तदान शिविर में 23वीं बार रक्तदान किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान की श्रेणी में आता है। रक्तदान करके हम दुर्घटना में घायल व्यक्ति का जीवन को बचा रहे होते हैं जो की पुण्य का काम है। कृपाल आश्रम में वर्ष में दो बार रक्तदान शिविर का आयोजन होता है जहां वे जरूर रक्तदान करते हैं।

### न्यू विद्या भारती पब्लिक स्कूल में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह

**रोहतक।** न्यू विद्या भारती पब्लिक स्कूल धामड़ रोहतक में रविवार को वार्षिक सांस्कृतिक एवं पारितोषिक वितरण समारोह बड़े हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया, जिसने उपस्थित सभी अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अनिल हुड्डा, पूर्व डीईओ खेल विभाग, खुशीराम हुड्डा चेयरमैन ब्लॉक समिति व सतीश कौशिक चेयरमैन बाल कल्याण समिति रोहतक के समारोह की अध्यक्षता की।

### श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ आर्यिका सरस्वती भूषण का 37वां दीक्षा दिवस

रोहतक। मॉडल टाउन स्थित आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में विराजित आर्यिका गणिनी 105 सरस्वती भूषण का 37वां दीक्षा दिवस एवं भव्य पिच्छिका परिवर्तन महोत्सव कम्युनिटी सेंटर में मनाया गया। सकल जैन समाज के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में भक्ति और श्रद्धा का अनूठा संगम देखने को मिला।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजेश जैन (एमडी, एलपीएस बोसार्ड) ने शिरकत की। विशिष्ट अतिथियों में अखिल भारतीय जैन महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गजराज गंगवाल एवं शैलेंदर सहित कई गणमान्य जन मंचासीन रहे। देश के विभिन्न कोनों से आए भक्तों ने माता को शास्त्र एवं भेंट अर्पित कर आशीर्वाद लिया।

MANSAROVER HOSPITAL
MULTI SUPER SPECIALITY HOSPITAL
NEAR PNB BANK, OPP. VIKAS NAGAR, SONIPAT ROAD, ROHTAK, HARYANA
RECEPTION: 01262-253500, 9053005599, 9254302848
REQUIRES
- BAMS 2
- RMO 2
- NURSING STAFF 4
- MRI/CT TECHNICIAN 2
- ACCOUNTANT 1
- COMPUTER OPERATOR 2
- RECEPTION 2
- WARD BOY 4

धर्म-कर्म | राम नीलकंठ मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन

# वामन अवतार की महिमा का गुणगान

- **वामन अवतार भगवान विष्णु का पाँचवां और त्रेतायुग का पहला मानव अवतार**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राधा रमण परिवार द्वारा आयोजित राधा रमण प्राकट्य उत्सव के उपलक्ष्य में गांधी कैंप राम नीलकंठ मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कथा के दौरान वृंदावन से पधारे कथावाचक राजन शास्त्री ने भगवान विष्णु के वामन अवतार की महिमा का भावपूर्ण वर्णन किया। कथावाचक शास्त्री ने श्रद्धालुओं को बताया कि वामन अवतार भगवान विष्णु का पाँचवां और त्रेतायुग का पहला मानव अवतार है। उन्होंने कथा के माध्यम से विस्तार से समझाया कि कैसे भगवान ने एक छोटे ब्राह्मण (वामन) का रूप धरकर राजा बलि के अहंकार को दूर किया। बतौर मुख्य अतिथि पूर्व मेयर मनमोहन गोयल ने शिरकत की। इस अवसर पर मनोज, नितिन, मनीष व गौरव मौजूद रहे।

रोहतक। गांधी में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में मौजूद श्रद्धालु।

### मानव जीवन की सार्थकता सत्य, सेवा व सदाचार में

रोहतक। गांव आंवल में श्रद्धा और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। यहां आयोजित तीन दिवसीय 64वें विराट महान यज्ञ एवं भक्ति ज्ञान सम्मेलन का रविवार को वैदिक मंत्रोच्चारण और भव्य भंडारे के साथ समापन हो गया। यह आयोजन ब्रह्मलीन स्वामी आत्मदास महाराज की पावन स्मृति में आयोजित किया गया था, जिसकी अध्यक्षता महंत रामदेव ने की। सम्मेलन के अंतिम दिन देशभर से आए प्रख्यात संत-महात्माओं और कथावाचकों ने श्रद्धालुओं को निहाल किया। अपने ओजस्वी प्रवचनों में विद्वानों ने कहा कि मानव जीवन की सार्थकता सत्य, सेवा और सदाचार में निहित है। तीन दिनों तक चली इस आध्यात्मिक यात्रा में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं ने यज्ञशाला में आहुतियां डालीं। रविवार दोपहर को विधिवत रूप से पूर्णाहुति की गई। इसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर भाजपा नेता गुलशन ढुआ, गुलशन राय नारंग, रवि टक्कर, तिलक राज चावला, अनिल कुमार जुनेजा और विजय नारंग मौजूद रहे।

सेक्टर-1 के सामुदायिक केंद्र में उमड़ा जनसैलाब

# आरएसएस शताब्दी वर्ष पर हिंदू सम्मेलन में दिया धर्म, संस्कार, संगठन और राष्ट्र निर्माण का संदेश

- कलश यात्रा के साथ कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिमय बनाया
- संत बोले, सशक्त राष्ट्र निर्माण के लिए नैतिक मूल्यों, अनुशासन और देशभक्ति की भावना जरूरी
- पांच परिवर्तन समरसता, कुटुंब प्रबोधन, स्वयं का बोध, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्यों के पालन पर चर्चा

कार्यक्रम के दौरान पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने बच्चों को सम्मानित किया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में रविवार को रोहतक के सेक्टर-1 स्थित सामुदायिक केंद्र में भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह सम्मेलन स्वामी दयानंद आयोजन समिति के तत्वावधान में भव्य तरीके से संपन्न हुआ। सम्मेलन के संरक्षक के रूप में मेजर सत्यपाल सिंधु, डॉ. मारकंडे आहूजा और समाजसेवी राजेश जैन उपस्थित रहे, जबकि डॉ. आदित्य बत्रा ने संयोजक की भूमिका निभाई। सह-संयोजक के रूप में बीना कौशिक, मनीष जैन और डॉ. रविंद्र रहे। संत समाज की ओर से महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. परमानंद महाराज और स्वामी अभूतानंद महाराज की गरिमामयी उपस्थिति ने सम्मेलन को आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान की। कार्यक्रम में सेक्टर-14, सेक्टर-1 और सेक्टर-2 से बड़ी संख्या में जनसैलाब उमड़ा। इस मौके पर पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, सामाजिक कार्यकर्ता, स्वयंसेवक और गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कलश यात्रा के आगमन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसके बाद भजनों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

## हमारे देश की संस्कृति समृद्ध : मेजर सत्यपाल सिंधु

कार्यक्रम को संबोधित करते सम्मेलन के संरक्षक मेजर सत्यपाल सिंधु।

सम्मेलन के संरक्षक मेजर सत्यपाल सिंधु ने कहा कि हमारे देश की संस्कृति इतनी समृद्ध है कि इसे देखने और समझने के लिए अन्य देशों के लोग भी भारत आते हैं। उन्होंने बताया कि हिमालय से हिंद महासागर तक की भूमि ही नहीं, बल्कि ऐतिहासिक रूप से ईरान और श्रीलंका तक हिंदू शासन और संस्कृति का प्रभाव रहा है। जो व्यक्ति राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान और राष्ट्रहित के लिए आगे बढ़ता है और उनका सम्मान करता है, वही सच्चे अर्थों में हिंदू है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र सेवा को जीवन का लक्ष्य बनाने का आह्वान किया।

## नशे के विरुद्ध समाज एकजुट हो : डॉ. आदित्य बत्रा

हिंदू सम्मेलन को संबोधित करते संयोजक डॉ आदित्य बत्रा।

सम्मेलन के संयोजक डॉ. आदित्य बत्रा ने नशे के विरुद्ध समाज को एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तंबाकू और अन्य नशों को छोड़कर पढ़ने का नशा, राष्ट्रभक्ति का नशा और भक्ति का नशा अपनाना चाहिए। उन्होंने परिवारों में बढ़ते गैजेट्स और सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग को भी एक प्रकार का नशा बताया। उन्होंने कहा कि हमें अपने संस्कारों को संभालकर रखना है और उन्हें बच्चों तक पहुंचाना है, ताकि वे आगे चलकर समाज के लिए प्रेरणा बन सकें।

## समाज को संगठित करना लक्ष्य : डॉ. मारकंडे

हिंदू सम्मेलन को संबोधित करते संरक्षक डॉ मारकंडे आहूजा।

सम्मेलन के संरक्षक डॉ. मारकंडे आहूजा ने कहा कि इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य समाज को संगठित करना और स्वयं के बोध को जागृत करना है। उन्होंने कहा कि संगठित रहने वाले समाज को कोई पराजित नहीं कर सकता। उन्होंने सिद्ध संतों का उदाहरण देते हुए पिंजौर के बाबा तोपनाथ, बेरी स्थित माता के मंदिर और गुरुग्राम की शीतला माता की सिद्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जब संस्कृति और संस्कारों पर प्रहार होता है, तब ऐसे सम्मेलनों की आवश्यकता और बढ़ जाती है।

## बेसहारा लोगों की मदद करें : स्वामी महामंडलेश्वर परमानंद महाराज

कार्यक्रम को संबोधित करते महामंडलेश्वर स्वामी परमानंद महाराज

स्वामी महामंडलेश्वर परमानंद महाराज ने कहा कि दान की वृत्ति सबसे बड़ी वृत्ति होती है। बेसहारा लोगों की मदद के लिए हमें बढ़ चढ़कर आगे आना चाहिए। निम्न वर्ग की सेवा करना आज के समय में बहुत जरूरी है। सम्मेलन में बैठे हर व्यक्ति से उन्होंने निम्न वर्ग के लोगों की मदद करने की बात कही।

रोहतक। हिंदू सम्मेलन में मौजूद महिलाएं।

## संतों ने राष्ट्र निर्माण पर डाला प्रकाश

संतों ने अपने प्रेरणादायी प्रवचनों में धर्म, संस्कार, सामाजिक एकता और राष्ट्र निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एक सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए समाज में नैतिक मूल्यों, अनुशासन और देशभक्ति की भावना का होना अत्यंत आवश्यक है। उपस्थित श्रद्धालुओं ने उनके विचारों को भावविभोर होकर सुना। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचार दर्शन को स्पष्ट करते हुए पांच परिवर्तन विषय पर विशेष चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि समाज और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए समरसता, कुटुंब प्रबोधन, स्वयं का बोध, पर्यावरण संरक्षण तथा नागरिक कर्तव्यों का पालन अत्यंत आवश्यक है। सभी से इन मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया गया।

## कार्यक्रम में यह रहे मौजूद

आरएसएस से सीताराम व्यास, आईआईएम के अध्यक्ष प्रोफेसर धीरज शर्मा, पीजीआईएमएस के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल, पीजीआई के निदेशक डॉ. सुरेश सिंघल, पीजीआई डेंटल के प्रिंसिपल डॉ. संजय तिवारी, डॉ. वरूण अरोड़ा, एमडीयू के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह, मुख्य वक्ता व प्रांत कार्यकारिणी के सदस्य डॉ. सुभाष आहूजा, नगर संघ संचालक सुरेश बंसल, डॉ. हर्षदीप, सीडब्लूसी अध्यक्ष एडवोकेट सतीश कौशिक, भारत विकास परिषद की राष्ट्रीय सहसंयोजिका गीता गुप्ता, डॉ. अंकुर बतरा, एमटीएफसी से नरेश ढल, डॉ. अंजू आहूजा समेत अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

## एक ही गोत्र में विवाह अनुचित : राजेश जैन

हिंदू सम्मेलन को संबोधित करते संरक्षक राजेश जैन।

सम्मेलन के संरक्षक राजेश जैन ने सामाजिक और स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर विचार रखते हुए कहा कि एक ही गोत्र में विवाह करना अनुचित है और कम से कम तीन से चार गोत्रों का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने आधुनिक जीवनशैली पर चिंता जताते हुए जंक फूड छोड़ने, रोजाना फल-फ्रूट को आहार में शामिल करने और मिठाइयों से परहेज करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि शुगर आज के समय में सबसे बड़ा किलर बनती जा रही है, इसलिए नियमित व्यायाम और स्वस्थ दिनचर्या बेहद जरूरी है।

## हिंदू जागेगा तो विश्व जगेगा : डॉ. सुभाष आहूजा

कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य वक्ता डॉक्टर सुभाष आहूजा ।

मुख्य वक्ता डॉक्टर सुभाष आहूजा ने कहा कि हिंदू जागेगा तो विश्व जगेगा। समाज को संगठित करने के लिए यह आयोजन हुआ है। जिस देश में एकता नहीं होती वह हमेशा टूटता है और यह नया भारत है जो अंदर घुसकर मारता है। यही नहीं नशा बढ़ाने में विदेशी ताकतों का हाथ है और अब हिंदू जाग चुका है संघ की शाखा ही पावर हाउस होती है। इस तरह के अभी रोहतक में ही 70 सम्मेलन और होने हैं।

इंडस पब्लिक स्कूल के छात्रों ने साइक्लोथॉन में भाग लिया

# स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन ही सबसे बड़ी संपत्ति : डॉ. एकता सिंधु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

इंडस पब्लिक स्कूल के छात्रों ने कैंसर जागरूकता के लिए साइक्लोथॉन में भाग लिया। जिसका उद्देश्य इस भयानक बीमारी के बारे में जागरूकता फैलाना और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना था। यह आयोजन बहुत सफल रहा, जिसमें प्रतिभागियों ने मानसरोवर पार्क से मेडिकल मोड़ तक साइकिल चलाकर कैंसर जागरूकता और रोकथाम का संदेश फैलाया।

इस साइक्लाथॉन में मुख्य अतिथि के रूप में बीएलके-एमएक्स अस्पताल दिल्ली के जनरल फिजिशियन डॉ. बख्शीश, डॉ योगेश शर्मा, राज्याना फिजियोथेरेपी सेंटर, डॉ. सचिन भारद्वाज और रोहतक साइकिलिंग क्लब के प्रतिनिधि उपस्थित थे, जिन्होंने कैंसर जागरूकता और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर अपने विचार रखे। डॉ. बख्शीश ने कैंसर के जल्द पता लगाने और समय पर इलाज के महत्व पर जोर दिया, जबकि डॉ योगेश शर्मा ने बीमारी को रोकने में नियमित व्यायाम के लाभों पर प्रकाश डाला। डॉ सचिन भारद्वाज और रोहतक साइकिलिंग क्लब के प्रतिनिधियों ने भी स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर अपने विचार रखे और प्रतिभागियों को साइकिल चलाने को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। साइक्लाथॉन इंडस पब्लिक स्कूल की स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने और सामाजिक कार्यों के प्रति जागरूकता फैलाने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। जैसा कि एक प्रतिभागी ने कहा एक कारण के लिए साइकिल चलाना - यह एक यात्रा है जो जान लाती है।

### स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना हमारी जिम्मेदारी

अध्यक्ष डॉ. एकता सिंधु ने कहा किए एक स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन सबसे बड़ी संपत्ति हैं, और कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाना और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना हमारी जिम्मेदारी है। प्रधानाचार्य दीपक वशिष्ठ ने कहा कि इस साइक्लाथॉन में हमारे छात्रों की भागीदारी सामाजिक कार्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने का प्रमाण है। इंडस पब्लिक स्कूल के छात्रों को उनकी भागीदारी के लिए प्रमाण पत्र, टी-शर्ट और नाश्ता दिया गया। यह आयोजन बहुत सफल रहा, और प्रतिभागियों और दर्शकों ने आयोजकों और प्रतिभागियों के प्रयासों की प्रशंसा की।

## स्वास्थ्य जांच शिविर में 250 से अधिक मरीजों ने उठाया लाभ

कलानौर। कस्बे की तपो भूमि पर रोटरी क्लब ऑफ रोहतक सेंट्रल द्वारा प्राइवेट हॉस्पिटल के सहयोग से डेरा बाबा मेहर शाह में एक मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 250 से अधिक मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ उठाया। शिविर का उद्घाटन क्लब चेयरमैन डॉ. मार्कंडेय आहूजा, महंत बाबा ईश्वर शाह, कलानौर चेयरमैन द्वारा किया गया।

- स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करना समाज सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण : डॉक्टर मारकंडे

शिविर में रक्त जांच, रक्तचाप एवं शुगर जांच, पीएफटी, बीएमडी, एक्स-रे जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई गईं। महंत बाबा ईश्वर शाह ने ऐसे आयोजन करने पर क्लब व डॉक्टर्स की जमकर सहराना की। क्लब चेयरमैन डॉ मारकंडेय आहूजा ने कहा कि स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करना समाज सेवा का एक उत्कृष्ट उदाहरण है जो सीधे वंचित और दूरदराज के समुदायों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाता है। इस अवसर पर रोटेरियन डॉ. अंजू आहूजा, गीत परुथी, अमित कादयान, हितेश वाधवा, सौरभ अरोड़ा, नम्रता अरोड़ा, मुकेश टक्कर, सुरेश भूटानी,पुलकित जैन आद उपस्थित रहे।

# हिंदू समाज संगठित और जागरूक रहे इसी में विश्व का कल्याण : तिलकराज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सैनीपुरा स्थित शिव मंदिर चमनपुरा में रविवार को हिंदू सम्मेलन आयोजन किया गया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज को एकजुट करना, सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा, राष्ट्रीय चेतना का जागरण तथा सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों एवं युवाओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के संरक्षक आरएस पब्लिक स्कूल के संचालक श्रीभगवान शर्मा और संयोजक एडवोकेट डॉ. दीपक भारद्वाज थे।

सम्मेलन की अध्यक्षता सैनी पंछी टेंट हाउस के मालिक दिलबाग सैनी ने की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विश्व हिंदू परिषद के तिलकराज रहे। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज को आज संगठित और जागरूक रहने की आवश्यकता है। इसी में राष्ट्र का कल्याण निहित है। उन्होंने कहा कि इतिहास साक्षी है कि जब समाज में एकता और जनचेतना की कमी रही, तब मुट्ठीभर आक्रांताओं ने देश पर शासन किया। उन्होंने कहा कि हिंदू जीवन पद्धति केवल एक धर्म नहीं, बल्कि एक संपूर्ण जीवन शैली है। जिसके माध्यम से संपूर्ण विश्व का कल्याण संभव है। उन्होंने युवाओं से अपनी संस्कृति, परंपराओं और राष्ट्र के प्रति सजग रहने का आह्वान किया।

### नागरिक कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने की शपथ भी दिलाई

कार्यक्रम में संयोजक डॉ. दीपक भारद्वाज ने कहा कि आज हम अपने अधिकारों को लेकर तो सजग रहते हैं, किंतु अपने कर्तव्यों के प्रति प्रायः उदासीन हो जाते हैं। उन्होंने भारत के नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए संविधान के सम्मान, राष्ट्र की एकता और अखंडता, सामाजिक समरसता, महिला सम्मान, पर्यावरण संरक्षण, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा जैसे विषयों को रेखांकित किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को भारतीय होने पर गर्व करने तथा नागरिक कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने की सामूहिक शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम का मंच संचालन एवं आयोजन की संपूर्ण रूपरेखा विष्णु मित्र सैनी ने की। सम्मेलन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने विशेष आकर्षण का केंद्र बने। लोक कलाकार गगन हरियाणवी ने अपने गीतों के माध्यम से गौमाता की सेवा, शुद्ध खान-पान, सामाजिक ताने-बाने और भारतीय विरासत से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण पहलुओं को भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में कबीर सत्संग भवन के प्रधान बिजेंद्र सिंह देहराज रहे।

सांगवान इंटरनेशनल में पुरस्कार वितरण

# उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होनहारों को सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सांगवान इंटरनेशनल स्कूल का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के टैगोर ऑडिटोरियम में गरिमामय एवं भव्य वातावरण में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं खेलकूद उपलब्धियों का उत्साहपूर्वक सम्मान किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एडिशनल इनकम टैक्स कमिश्नर के पद पर कार्यरत विकास सांगवान, विशिष्ट अतिथि एचसीएस अधिकारी ब्रह्म प्रकाश अहलावत तथा जिला प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. सविता सांगवान ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। समारोह के दौरान विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। स्वच्छ भारत अभियान, जल एवं वायु प्रदूषण, ऑपरेशन सिंदूर, गणेश वंदना जैसी प्रभावशाली प्रस्तुतियों ने दर्शकों की भरपूर तालियां बटोरीं। वहीं 'शिक्षा का अधिकार' विषय पर आधारित लघु नाटिका प्रस्तुत की गई।

### 500 से ज्यादा विद्यार्थियों ने मंच पर प्रस्तुति दी

शैक्षणिक क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि, विद्यालय प्रबंधक राजेश सांगवान एवं प्रधानाचार्या मनीषा सांगवान द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया। 700 से ज्यादा विद्यार्थियों ने अपने हुनर का लोहा मनवाते हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपना स्थान बनाया और सम्मान प्राप्त किया और 500 से ज्यादा विद्यार्थियों ने मंच से अपनी प्रस्तुति दी।

जैन नेक्स्ट मेडेड संस्था की अनूठी पहल, डॉक्टर्स को दिलवा रही प्रशिक्षण

डॉक्टरों ने हरियाणा के कई मेडिकल सेंटर्स का दौरा किया

# इराक के डॉक्टर्स ने रोहतक में ली कैंसर सर्जरी और ईएनटी की ट्रेनिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रही अग्रणी संस्था जेन नेक्स्ट मेडेड संस्था ने मेडिकल ट्रेनिंग की दिशा में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ा है। संस्था द्वारा आयोजित एडवांस ईएनटी और हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी फेलोशिप प्रोग्राम के तहत इराक के सुलेमानिया शहर से आए दो डॉक्टरों ने रोहतक में तीन सप्ताह का गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विदेशी डॉक्टरों को निःशुल्क उच्च स्तरीय चिकित्सा शिक्षा प्रदान करना और उनकी सर्जिकल स्किल्स को निखारना था।

इस ट्रेनिंग प्रोग्राम का मुख्य केंद्र रोहतक का वी केयर कैंसर सेंटर एंड मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल रहा। इसके अलावा, जेन नेक्स्ट फाउंडेशन के सहयोग से इन डॉक्टरों ने हरियाणा के विभिन्न मेडिकल सेंटर्स का भी दौरा किया और वहां की चिकित्सा पद्धतियों को समझा। दिग्गज डॉक्टरों का मिला मार्गदर्शन इस फेलोशिप के दौरान इराक से आए डॉ. जिनो कमल और डॉ. पाखर शरीफ की ईएनटी (नाक-कान-गला) और कैंसर सर्जरी के क्षेत्र के कई प्रसिद्ध नामों से सीखने का मौका मिला। उन्हें पीजीआईएमएस रोहतक के पूर्व ईएनटी विभागाध्यक्ष और वरिष्ठ ओटोलॉजिस्ट डॉ. विकास कक्कर और प्रसिद्ध हेड एंड नेक ओकोसर्जन डॉ. भूषण कथूरिया का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

- दो डॉक्टरों ने रोहतक में तीन सप्ताह का गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया
- प्रोग्राम का मुख्य केंद्र रोहतक का वी केयर कैंसर सेंटर एंड मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल रहा।

डॉ. भव्य जॉली ने पूरे ट्रेनिंग प्रोग्राम को सुचारू रूप से संचालित किया। प्रशिक्षण में सहयोग देने वाले अन्य प्रमुख डॉक्टरों में डॉ. हर्षदीप, डॉ. हनी दलाल, डॉ. प्रमोद जांगड़ा, डॉ. अरुणाचलम, डॉ. निर्मला, डॉ. साकेत जैन और डॉ. साहिल जांगड़ा शामिल रहे। किताबी जान से आगे व्यावहारिक अनुभव अपना अनुभव साझा करते हुए इराक के डॉ. जिनो कमल और डॉ. फाखर शरीफ ने कहा कि यह उनके लिए शानदार और जीवन बदलने वाला अनुभव रहा है। उन्होंने कहा, हमने यहाँ सिर्फ किताबों से नहीं सीखा, बल्कि वरिष्ठ मेंटर्स के साथ डिस्कशन, गाइडेंस और वास्तविक समय में सर्जरी देखने का मौका मिला।

### रुकनी नहीं चाहिए सीखने की प्रक्रिया : डॉ. भूषण

डॉ. भूषण कथूरिया ने जान सरहदों का मोहताज नहीं का संदेश दिया। इस मौके पर वरिष्ठ कैंसर सर्जन डॉ. भूषण कथूरिया ने एक भावुक और दार्शनिक संदेश दिया। उन्होंने कहा जैन नेक्स्ट मेडेड संस्था का प्रयास उस फासले को पाटना है जो सीमित अवसरों के कारण मेडिकल शिक्षा में दिखाई देती है। हम एक ऐसा सेतु बना रहे हैं जहाँ वरिष्ठ मॅटर्स के मार्गदर्शन में अगली पीढी के सर्जन अपनी चुनौतियों से पार पा सकें। उन्होंने कहा कि सीखने की प्रक्रिया कभी रुकनी नहीं चाहिए। चाहे भौगोलिक सीमाएं हो या संसाधनों की कमी, जेन नेक्स्ट इन बाधाओं को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

# 32 लोगों ने फ्री कैंप में पहुंचकर करवाई जांच

- सांघी गांव में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रविवार को मां दानो देवी धर्मार्थ ट्रस्ट की तरफ से सांघी गांव में बीपी जैन फिजियोथैरेपी सेंटर पर फ्री कैंप का आयोजन किया गया। जिंसके अंदर गांव और आसपास के मरीजों ने आकर अपने हड्डी और जोड़ों के दर्द की जांच करवाई।

इस कैंप में गांव और आसपास से कुल 32 मरीज पहुंचे। जिनको हड्डी और जोड़ों के दर्द से जुड़ी अलग अलग समस्याएं थी। संस्था के संचालक तस्वीर हुड्डा ने बताया कि सांघी गांव में हर रविवार को फ्री कैंप का आयोजन किया जाता है। जिसके अंदर हड्डी और जोड़ों दर्द के मरीज आकर अपनी जांच करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस कैंप का आयोजन शहर के सबसे बड़े समाजसेवी राजेश जैन की देखरेख में किया जाता है। जिनकी इच्छा थी कि गांव और आसपास के मरीजों को इलाज के घर से दूर नहीं जाना पड़े।

### दो साल से लगा रहे कैंप

संस्था के कोषाध्यक्ष नवनीत हुड्डा ने बताया कि इस कैंप में हर रविवार हड्डी और जोड़ों के दर्द के लिए प्रसिद्ध डॉक्टर अरमान आते हैं और मरीजों की जांच करते हैं। उन्होंने बताया कि संस्था की तरफ से गांव में लगातार 2 साल से फ्री कैंप का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें समय समय पर नेत्र जांच कैंप और रक्तदान शिविर भी आयोजित किए जाते हैं, ताकि गांव के लोगों को ज्यादा से ज्यादा फायदा मिल सके। लोगों के सहयोग को देखते हुए आने वाले समय में भी फ्री कैंप का आयोजन किया जाता रहेगा।